B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-5(B)
DEPARTMENT OF HISTORY

PANKAJ KR.MISHRA

DATE-05/09/2020

TOPIC- खिलाफत आंदोलन(1919 ई.) का पतन, परिणाम एवं मूल्यांकन

Part-3

Scanned with CamScanner

खिलाफत आंदोलन का पतन, परिणाम एवं मूल्यांकन

व्याख्यान का संक्षिप्त अंश

आंदोलन का पतन

- असहयोग एवं खिलाफत आंदोलन साथ-साथ चले किन्तु असहयोग आंदोलन के बढ़ते प्रभाव में खिलाफत आंदोलन उसके सामने दब गया।

- खिलाफत के नेताओं को सरकार का कोपभाजन बनना पड़ा। इनकी संस्थायें गैरकानूनी करार दे दी गई तथा अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया गया।

- तुर्की में मुस्तफा कमाल पाशा द्वारा खलीफा के पद को समाप्त करने के साथ ही खिलाफत का प्रश्न समाप्त हो गया। अंततः 1924 ई० तक यह आंदोलन समाप्त हो गया।

परिणाम

- एक अखिल इस्लामी प्रतीक ने अखिल भारतीय इस्लामिक लामबंदी का मार्ग प्रशस्त किया जो अंग्रेज विरोधी था।

- मुसलमानों की भारतीय राजनीति की मुख्य धारा में तेजी से भागीदारी बढ़ी।

- हिन्दू-मुस्लिम एकता की भावना सुदृढ़ हुई।

- पहली बार राजनीति में किसी विशेष संप्रदाय के मुद्दे को शामिल कर आंदोलन चलाया गया। फलतः सांप्रदायिकता को प्रोत्साहन मिला।

मूल्यांकन

खिलाफत आंदोलन को गाँधी द्वारा राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने के मुद्दे पर प्रायः उनकी
आलोचना की जाती है। इसे गाँधी की एक राजनीतिक भूल बताया जाता है क्योंकि
एक विशुद्ध राजनैतिक आंदोलन में उन्होंने धार्मिक मुद्दे को शामिल किया। जिससे
हिन्दू-मुस्लिम एकता कायम नहीं हुई बल्कि सांप्रदायिक विभेद को ही बढ़ावा मिला
जो आगे हुए हिन्दू मुस्लिम दंगों से स्पष्ट होता है। किन्तु इसे गाँधी की राजनीतिक
भूल मानना उचित प्रतीत नहीं होता। वस्तुतः ब्रिटिश हिन्दू-मुस्लिम के बीच फूट
डालने की नीति पर चल रहे थे। ऐसे समय में खिलाफत के प्रश्न पर हिन्दू-मुस्लिम
को एक सूत्र में बाँधने के सुअवसर को गाँधी ने छोड़ना उचित नहीं समझा।
साथ ही राष्ट्रीय आंदोलन और खिलाफत दोनों में साम्राज्यवाद विरोधी तत्व प्रबल थे
फिर एक राष्ट्रीय आंदोलन द्वारा केवल एक ही संप्रदाय के लोगों को प्रभावित

Scanned with CamScanner

करने वाले मसलों की पैरवी करना सैद्धांतिक दृष्टि से गलत नहीं है क्योंकि यह मसला किसी दूसरे संप्रदाय के विरुद्ध नहीं था। खिलाफत मुद्दे ने राष्ट्र के सभी वर्गों को आंदोलित किया, व्यापक स्तर पर उत्साह बना, जन भागीदारी बढ़ी।

05/09/2020